No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
91	शतपथब्राह्मण भाष्य-वेदार्थ-दीपिका (काण्व)	अनन्तभट्ट नागेशभट्टपुत्र	107	3,000		कां. 12, अष्टाध्यायी. He says काण्वशाखीय शतपथ has got 17 Kāndas in 104, अ. and that सायणमाधव did not comment on काण्व-शाखा, but माध्यन्दिनपाठ.
92	,, ,, (प्रवर्ग्य-काण्ड)	सायणमाधव	64	2,200		कां. 16.
93	शुक्रीयसाम		15	170		द्र. P. L.
94	श्रीसूक्त		3			,, ,,
95	,, भाष्य	,,	4	50		आं. P. L.
96	,, ,,		141-145			द्र. P. L.
97	,, ,,		3	150		के. P. L.
98	,, व्याख्या and प्रयोग	पायगुण्ड, वैद्यनाथ	50	1,500	सं. 1843	
99	षड्विंशतिसूत्र		121-130			द्र. P. L.
100	षड्विंशविधानभाष्य and सामविधान ब्राह्मणभाष्य	सायणमाधव	61-117			,, ,, ll. 62-63, 67, 69-75, 77-82, 85-88, 102; 104-109 missing.
101	सामब्राह्मण or साममन्त्रब्राह्मण		10			द्र. P. L. प्र. 1. Much injured.
102	सामब्राह्मण (मन्त्र) भाष्य	,,	8-9			द्र. P. L. मन्त्रपर्व (परि. 2.)

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
103	सामब्राह्मण	सायणमाधव	91	2,000		द्र. P. L. Upto खं.5, प्रपा. 2.
104	,,	,,	82			द्र. P. L. Injured.
105	सामवेद(संहिता)		81		A. 984	द्र. P. L.
106	,, with प्रकृति-च्छलाक्षर		134+4		A. D. 1870	,, ,,
107	,, (जैमिनिशाखा)		34-72		A. 931	,, ,, उत्तर-ऋक् Differs from the Baroda ms.
108	,, ,,		8,54-55			द्र. P. L. उत्तरार्चिकपद. असम.
109	,, ,,		106	1,200		द्र. P. L. आग्नेयपर्व & ऐन्द्रपर्व. Old ms.
110	,, ,,		84	1,000	A. 998	द्र. P. L. आरण. Old ms.
111	,, ,,		85		A. 922	द्र. P. L. आरण. Old ms.
112	,, ,,		132	3,000	A. 914	द्र. P. L. आग्नेय, ऐन्द्र, पावमान and आरण. Fine ms.
113	,, ,,		113-180			द्र. P. L. पावमान. Old ms.
114	,, ,,		36	500		द्र. P. L. ऐन्द्रपर्व.
115	,, ,,		27		A. 931	द्र. P. L. प्रकृतिऋक्.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
116	सामवेद (जैमिनिशाखा)		124-170	1,500	A. 1030	द्र. P. L. पूर्वऋक् & उत्तरऋक्.
117	,, भाष्य (जैमिनिशाखा)	(भवत्रात ?)	10	200		द्र. P. L.
118	सामवेद-भाष्य (महानाम्नी)	भरतस्वामी	354 pp.			Copy from Tanjore.
119	,, (प्रकृतिऋक्)	,,	421 pp.			Copy from Tanjore.
120	,, (महानाम्नी)	,,	320 pp.			Copy from SE.
121	,,	,,	30			Roto-graph from I. O.
122	,, (ऊह)	,,	448 pp.			Copy from Adyar, Madras.
123	,, (ऐन्द्रपर्व)	,,	109 pp.			Copy from Adyar.
124	,, (प्रकृतिऋक्)	,,	337 pp.			Copy from Adyar.
125	,, (उत्तरार्चिक)	सायणाचार्य	252-291			अ. 18-19, सम. अ. 20 contd. ll. 266-267 missing.
126	सामवेदगान (महानाम्नी)		86			द्र. P. L. असम. Old ms.
127	,, ,,		25			द्र. P. L.
128	स्वस्तिवाचन		3			,, ,,

2. VEDALAKṢAṆA

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
129	अनिरुक्त		8a–17		A. 1048	द्र. P. L.
130	,, & वर्णानुक्रम		29–36			,, ,,
131	अनुक्रमणिकाविवरण (ऋग्वेदीय)	जगन्नाथ	52	1,000	सं. 1853	
132	,,	,,	48	,,	सं. 1812	
133	अवर्णादिलक्षण		6–12	250		,, ,,
134	अवर्णीव्याख्या		14–21			,, ,,
135	आत्रेयशिक्षा		8–15	60		द्र.
136	आरण्यशिक्षा		15	180		आं. P. L. Se.D.866.
137	,,		21			Copy from Mysore.
138	,, व्याख्या		70			Copy from Mysore.
139	आश्वलायनसूत्रानुक्रमणीवृत्ति	ईश्वर, वागीश्वर शास्त्रिपुत्र	26			द्र. P. L. From अ. 7–End. Stray leaves. Much injured.
140	उत्तरऋक्कारिका (जैमिनिशाखा)		5–11			द्र. P. L. 75, कारिका.
141	ऊहपौर्वापर्यभेद (जैमिनिशाखा)		13	200		द्र. P. L.
142	ऊहलक्षणकारिका		11	100		,, ,,
143	ऋक्प्रातिशाख्यभाष्य	उव्वट	72+45 =117	5,000	सं. 1855	18, पटल.
144	ऋक्संहितासूत्र		13	200		द्र. P. L.
145	,,		5	,,		,, ,,
146	ऋक्स्वरलक्षण		27	250		,, ,,
147	ऋग्विधान		75			Copy of the Calcutta ms.
148	ऋग्वेदप्रातिशाख्य		49	1,000		द्र. P. L.
149	(,,)		8			,, ,, असम. Old & injured.
150	ऋग्वेदानुवाकानुक्रमणिका		50–132	1,500		द्र. P. L.
151	,,		57	900		,, ,, Upto अष्ट. 7, अ. 4., अ. 5 contd.
152	ऋषिच्छन्दोदेवतामणिदीपिका		3–28	250		द्र. P.L.
153	ऐक्यप्रकरण		7			,, ,,

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
154	काण्डानुक्रमणिका (तैत्तिरीय)		10	300		द्र. P. L.
155	कात्यायनसर्वानुक्रमणिका (अनन्ताचार्यसमीकृता)		14	700		5, अ.
156	,, व्याख्या	षड्गुरुशिष्य	191	4,000		के. P. L. Old ms.
157	कालनिर्णयटीका	मुक्तीश्वराचार्य	6			
158	गौतमीशिक्षा		12			Copy from Mysore. समवेदीया.
159	ग्रहपीठसाधन	आपदेव	2	22		
160	चतुश्श्लोकीशिक्षा with व्याख्या	लक्ष्मीकान्त	5	50		आं. P. L.
161	चरणव्यूह		4			,, ,,
162	,, भाष्य	महीदास	44		सं. 1846	L. 2460
163	छन्दोविचिति or छन्दोविचय		3			द्र. P. L. Old & injured.
164	,,		11			Photo from Baroda.
165	,,		3			द्र. P. L.
166	,, & निदानसूत्र		60			Photo from Baroda.
167	जटादर्पण		28	500		आं· P.L.
168	जटान्यायपञ्चाशत् with भाष्य		20	400		,, ,,
169	,, ,,		20	,,		,, ,,
170	जटापटलव्याख्या	दयाशङ्कर, धरणीधरसुत	14		सं. 1801	
171	तपर		25–29			द्र. P. L.
172	,,		7–8		A. 1048	,, ,,
173	तैत्तिरीयप्रातिशाख्य		25			,, ,,
174	,, विवरण त्रिभाष्यरत्न	सोमवर्य	68	2,000		आं.P. L. 24, अ.
175	,, ,,	,,	16	300		आं. P. L. अ. 1. l. 1 missing.
176	धारणलक्षण (जैमिनिशाखा)	सभापति	2			द्र. P. L. 23, कारिका.
177	नपर-तपरलक्षण	शौरिसूनु	13–43			द्र. P. L.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
178	निघण्टुभाष्य	देवराज	180 ll.			असम. Copy from Calcutta Skt. College Rotograph.
179	,,	,,	181			
180	,,	,,	443. pp.			Copy from Tanjore.
181	,,	,,	509 pp.			,, ,,
182	,,	,,	39			Photo.
183	निदानसूत्र		95			Copy from the Kashmir Govt.
184	निरुक्तभाष्य	दुर्ग	46	1,500	सं. 1859	अ. 12, (अ.7) l.36 missing
185	पदकारिकारत्नमाला (वाजसनेयसंहिता)	शङ्कराचार्य	64			26, अ. सम. अ. 27, contd. l. 44 missing.
186	पदपञ्चकभाष्य-पददर्पण	(महर्षिकृत)	59	1,000		आं. P. L.
187	परिभाषालक्षण	वररुचि	6	120		द्र. P.L.
188	पाराशरीशिक्षा		7	150		Copy from R. A. S. Bombay.
189	पार्षदवृत्ति	विष्णुमित्रalias कुमार	80	3,000		द्र. P. L. Fine script.
190	पुष्पसूत्र		33		सं. 1589	l. 2 missing
191	प्रतिहारसूत्र		7			द्र. P. L. Old & injured.
192	,,		4			द्र. P. L. असम.
193	प्रस्तावसूत्र		1			द्र. P. L.
194	फुल्लसूत्र		52	1,000	सं. 1720	
195	बृहद्देवता	शौनक	73–94	400		के. P. L. 8, अ.
196	भारद्वाजशिक्षा		8	100		आं. P. L. Refers to व्यास, लक्ष्मी, भारद्वाज, शम्भु आपिशल, कौह-लेय, काल, and आत्रेय.
197	भाषिकसूत्र with व्याख्या	वृद्धाचार्य मू. महास्वामी व्या.	10			
198	माण्डव्यशिक्षा		3			Copy from R. A. S. Bombay.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
199	यजुर्वेदीयसर्वानुक्रमणिका	(यादवप्रकाश)	112			के. P. L. Much injured.
200	योहिशिक्षाव्याख्या		4	100		आं. P. L. मू. 23 श्लो.
201	रावणभेट		18–34		A. 1048	द्र P. L.
202	लक्षणत्रयलक्षणम्	सीतापति, शङ्करभट्टसूनु	32	700		आं. P. L.
203	लक्ष्मीकान्तशिक्षा		7	50		द्र.
204	वर्णक्रमचतुश्श्लोकीभाष्य	लक्ष्मीकान्त	3	50		आं. P. L.
205	वर्णक्रमलक्षण with व्याख्या	नरसिंह	31	350		द्र. P. L.
206	विलङ्घ्य		12			,, ,,
207	,,		1–6		A. 1048	,, ,,
208	,,		14–15			,, ,,
209	,, भाष्य	नागदेव	22	500		,, ,,
210	,, व्याख्या		9–13			,, ,,
211	(वेदलक्षण)		90–108			,, ,, With परिभाषा, विलङ्घ्य, अवर्णी & अनिङ्ग्य.
212	वेदाङ्गज्योतिष	लगध ?	5			
213	वैदिकाभरण	गोपालमिश्र	22			द्र. P.L. अ. 9.
214	व्यासशिक्षाविवरण	वेलमकन्ने सूर्य-नारायण (सूरावधानी)	60	1,800		आं. P. L. Upto उच्चारणफलप्रकरण.
215	शमानव्याख्या	नागदेव	13	500		द्र. P. L.
216	,, ,,		1–8			,, ,,
217	शिक्षाचतुष्टय		23	400		शिक्षा, ज्योतिष, छन्दस् and निघण्टु.
218	शिक्षापञ्जिका (पाणिनीयशिक्षाव्याख्या)		11	200		I.O. 544. A. S. cat. Vol. 2. 1508.
219	शिक्षासमुच्चय		39			Copy from Mysore.
220	संहितापदक्रमादि-पाठ (सस्वर)		6	150		काण्वशाखा.
221	संहिता-ब्राह्मण खण्ड-संख्या (जैमिनिशाखा)		2			द्र. P. L. 12, कारिका.
222	सप्तलक्षण		44			द्र. P. L. Much injured.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
223	सामतन्त्र		118–123			द्र. P. L. l. 112 missing.
224	,, व्याख्या		61	2,200		द्र. P. L. ll. 14, 18, 20–23, 25–28, 32–35, 37–39, 41–42 missing.
225	सामलक्षण (जैमिनिशाखा)		1–42 76–98			द्र. P.L.
226	सूक्तबोधाष्टक		1			के. ,,
227	स्तोभगतागत		6		सं. 1605	
228	स्वरपञ्चाशत्		3			आं. ,,
229	,, व्याख्या		25	500		,, ,, Se. D. 1018.
230	स्वरप्रकार (जैमिनिशाखा)	श्रीनिवासदीक्षित	2			द्र. P. L. 20 कारिका.
231	स्वरमेलन	श्रीकृष्ण कवि	8	100		आं. P. L. Breaks in the middle of the पूर्वोदात्त पूर्वदीर्घोदाहरण on 18th. सूत्र.
232	स्वरविज्ञान with व्याख्या	भास्कर	35			द्र. P. L. 2 कां.
233	स्वराष्टकव्याख्या-प्राज्ञबोधिनी		3			Copy from R. A. S. Bombay.

3. UPANIṢAD

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
234	अथर्वणोपनिषद्भाष्य विवरण	कृष्णाचार्य, तिर्मलाचार्यपुत्र	80	2,000		
235	उपनिषद् (ईशा- (छान्दोग्य)		72+36	2,000		द्र. P. L.
236	,,(ईशा-बृहदारण्यक)		89			,, ,,
237	,,		39			न. ना. P. L. कठ, तैत्तिरीय, माण्डूक्य, ईशा, तलवकार, प्रश्न & अथर्वणोपनिषद्.
238	,, (ब्रह्म-मन्त्रिकोपनिषद्)		66			द्र. P. L.
239	,, (छान्दोग्य, श्वेताश्वतर)		56			आं. P. L.
240	,, भाष्य (ईशा छान्दोग्य)		181	3,500		द्र. P. L. In छान्दोग्य 1-6, अ.
241	,, ,, व्याख्या		60	1,500		आं. P. L. ईशा-मुण्डक.
242	काठकोपनिषद्भाष्य-टीका	शङ्कराचार्य भा. आनन्दगिरि टी.	10	250		
243	,, ,,	आनन्दतीर्थ भा. वेदेशतीर्थ टी.	52	2,000		Injured.
244	केनभाष्यव्याख्या		16			आं. P. L.
245	गरुडोपनिषद्		3			
246	गर्भोपनिषद्विवरण		15	300		द्र. P.L.
247	छान्दोग्योपनिषद्		21			,, ,, Old and fine script.
248	,,		67			द्र. P. L. Old ms.
249	,,		14-33			द्र. P. L. असम. Injured.
250	,,		8-29			न. ना. P. L. असम.
251	,, भाष्य		37			द्र. P. L. Much injured.
252	,, व्याख्या-मिताक्षरा	शङ्कराचार्य	41-79	750		द्र. P. L. 6-8, प्र. Old ms,
253	तैत्तिरीयोपनिषद्	नित्यानन्द	24			द्र. P. L. अ. 1, सम. अ. 2, contd

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
254	तैत्तिरीयोपनिषद्		73			द्र. P. L. Including नारायणवल्ली.
255	,,		5			द्र. P. L.
256	,, -भाष्य	शङ्कराचार्य	100			,, ,,
257	,, -दीपिका	शङ्करानन्द	16	500		,, ,, ब्रह्म & भृगुवल्ली.
258	,, लघुदीपिका	रामामृतयति	59	700		आं. P. L. A treatise on विद्यारण्यभाष्य.
259	,, ,,	,,	114-142			द्र. P. L.
260	,, भाष्यविवरण	आनन्दतीर्थ भा. सत्यप्रियतीर्थ वि.	36			असम.
261	,, व्याख्या-तैत्तिरीयोपनिषदर्थसङ्ग्रह		23			न. ना. P.L. खण्डार्थ.
262	,, व्याख्या	श्रीनिवास यज्वा	93	2,000		द्र. P. L. Injured.
263	,, ,,	भास्करराय	16	250		,, ,,
264	दक्षिणामूर्तितापिन्युपनिषद्		6-7a			,, ,, No beginning.
265	देव्युपनिषद्		3			द्र.P.L. Injured.
266	नारायणोपनिषद् दीपिका	(शङ्करानन्द)	3	70		,, ,,
267	निरालम्बोपनिषद्		5-11			,, ,,
268	निर्वाणोपनिषद्		1			,, ,,
269	नृसिंहतापिनीयोपनिषद्		66-72			,, ,,
270	प्रश्नोपनिषद्भाष्य व्याख्या	शङ्कराचार्य भा. नारायणेन्द्र सरस्वती व्या.	42	1,000		
271	बृहदारण्य (सस्वर)		81-126			द्र. P. L.
272	,, भाष्य	आनन्दतीर्थ	50			न.ना. P.L.
273	महाम्नायोपनिषद्	शङ्कराचार्य	4			
274	महोपनिषद्		2			आं P.L.
275	रहस्योपनिषद्		8			,, ,,
276	वज्रसूची उपनिषद्		1 (36th.)			द्र. ,,
277	वासुदेवोपनिषद्		2			के&द्र.P.L.
278	शाण्डिल्योपनिषद्		166-184	150		द्र. P. L.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
279	श्राद्धेतिहासोपनिषद्		6			आं. P.L.
280	,,		12			द्र. ,,
281	,,		9			,, ,,
282	,,		16			
283	संहितोपनिषद्		2			Injured.
284	सर्वसारोपनिषद्		37-39			द्र. P. L.
285	,,		1-4			,, ,,
286	स्वरूपोपनिषद्		5	16		ओङ्कारविषय

4. ŚRAUTA

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
287	अग्निचयनप्रयोग- (आपस्तम्ब)		58	1,000		द्र. P.L. Injured Se. R. 615 B.
288	अग्निष्टोमसाम & अतिरात्रसाम		13	200		द्र. P. L.
289	,, ,,		6, 5 (11)	200		,, ,,
290	अन्याधान- सामकारिका	ईश्वरशास्त्री	3	100		,, ,,
291	,,	,,	3	,,		,, ,,
292	अतिरात्रादिप्राय- श्चित्तप्रयोग		54			आं. P. L. बृहस्पतिसव, सर्वतोमुखसव, सर्वपृष्ठाप्तोयार्म & विधुरब्रह्ममेध प्रयोग.
293	आधानसोमसाम (क्रम)कारिका		9	200		द्र P.L.
294	,,	,,	13	,,		,, ,,
295	आपस्तम्बशुल्बसूत्र		28			
296	,, व्याख्या	सुन्दरराज	14	500		,, ,, Fine Script.
297	आपस्तम्बश्रौतप्रयोग	तालवृन्तनिवासी	35	1,000		,, ,, चयन and वाजपेय.
298	,, दीपिका	,,	102	3,000		द्र.P.L. 6-15 प्रश्न.Injured.
299	आपस्तम्बश्रौत- प्रायश्चित्तविवृति	तिम्मलयज्वा	42		सं. 1714	l. 25 missing.
300	आपस्तम्बश्रौतसूत्र		60			द्र. P.L. 9, प्रश्न.Old ms.
301	,, सकारिक & सप्रयोग		146	5,000		द्र. P. L.
302	,, व्याख्या प्रयोगरत्नमाला	चौण्डपाचार्य	198	8,000		आं P.L. 4, अ. सम. Half of the ms. eaten by worms. (He says that he combined in this विद्यारण्य व्याख्या. It is also called अध्वरतन्त्रस्वतन्त्र व्याख्या.
303	,, ,, ,,	,,	563		सं. 1866	अ. 1-4 & 6. For चौण्डपाचार्य's

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
						geneology see Tri, cat. Se. 1919-22. p. 4214
304	आपस्तम्बवृत्ति	रुद्रदत्त भट्ट	165	7,000		द्र. P. L. 14, प्र. सम. Fine old ms.
305	,, ,,	,,	141	4,000		द्र. P. L. 1-8, प्र. Fine old ms.
306	,, ,,	,,	42	1,000		आं. P. L. प्र. 11, सम. प्र, 12, contd.
307	,, भाष्य	धूर्तस्वामी	286			11, प्रश्न. Old ms.
308	,, ,, (प्रायश्चित्त)		47			द्र. P. L, प. 1, सम, प, 2, contd.
309	,, ,, व्याख्या	रामाग्निचित्	131	3,000		द्र. अग्निष्टोम प्र. Old ms.
310	आपस्तम्बसूत्र- ध्वनितार्थकारिका, त्रिकाण्डमण्डन	भास्करमिश्र	14			
311	आवहन्ती		16-20			द्र. P. L.
312	आर्षेयकल्पसूत्र- व्याख्या	वरदराज	114	4,500	सं. 1794	9, अ.
313	आश्वलायन-दर्श- पूर्णमास		12	150		आं. P. L.
314	आश्वलायनश्रौत- प्रयोगदीपिका	मल्लनाचार्य	127	2142		
315	आश्वलायनश्रौत- सूत्रभाष्य	देवस्वामी	242	8,000		द्र. P. L. Old ms.
316	,,	,,	316			7, अ.सम. अ. 8, contd.
317	आश्विनशस्त्र		37			
318	इष्टकालनिर्णय	मुरारि	22	400	श. 1796	
319	ऐष्टिकैकाहिकपद्धति	जगन्नाथ, विश्वनाथपुत्र	7			कर्कमतानुसारी
320	कात्यायनशुल्बसूत्र		8	80		
321	,,		4			B. B. R. A. Society's ms. copy. N. 515.
322	कात्यायनशुल्बसूत्र- परिशिष्ट		9			Copy from B. O. R. Institute, Poona.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
323	कात्यायनशुल्बसूत्र-विवरण	महीधर	31 pp.			Copy from B. B. R. A. S. No. 516.
324	,, ,,	,,	58			Copy from B. O. R. Institute. Poona.
325	,, भाष्य	कर्क	7	307	सं. 1505	
326	,, ,,		10	300		
327	कात्यायनश्रौतपद्धति	देवयाज्ञिक	56	800	श. 1786	अ. 8, अग्निष्टोम पद्धति.
328	,,	,,	28	500	,,	अ. 11. यूपै-कादशिनी & पश्वैकादशिनी.
329	,,	,,	46	1,200		द्. अ. 13. द्वादशाह.
330	,,	,,	27	500		अ.14, वाजपेय.
331	,,	,,	114	1,700	श. 1780	,, 18 चयन.
332	,,	,,	22	200		,, 19 सौत्रा-मणिपद्धति.
333	,,	,,	24	500		ना. & द्. अ. 23. हीनपद्धति p.14–24, द्.
334	कात्यायनश्रौतप्रयोग		25	1,000		द्. P. L. अ. 18, चयन प्रयोग.
335	कात्यायनश्रौतसूत्र भाष्य	,,	9	400		अ. 11.
336	,,	,,	39	1,200		,, 12. द्वादशाह.
337	,,	,,	21	500	श. 1787	,, 14. वाजपेय.
338	,,	,,	38	1,400		,, 16 सोमाङ्ग.
339	,,	,,	54	1,500		,, 17 ll. 19–29, द्.
340	,,	,,	31	1,000		,, 18 चयन.
341	,,	,,	31	900	सं. 1787	,, 19 सौत्रा-मणि. Last 5 ślokas on अनन्तभट्ट-प्रशस्ति are not commented.
342	,,	,,	32	1,200		द्. अ. 20.
343	,,	,,	3	100		,, ,, 21. पुरुषमेध.
344	,,	,,	33	750	श. 1786	अ. 26 प्रवर्ग्य.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
345	कात्यायनश्रौतभाष्य or विवरण	कर्क	31	1,000		द्. P. L. अ. 7–8, सम. अ. 9, contd.
346	,,	,,	39	1,000		अ. 1.
347	,,	अनन्त	96			अ. 8–9 & 19. Injured.
348	,,	(,, (?))	62	200		द्. P. L. अ. 25. प्रायश्चित्त. Not by कर्क, nor देव. Begins with दर्शपूर्णमा-दीनि सत्रान्तानि कर्माण्युक्तानि । अधुना तेष्वेव कर्मसु कर्मविनाशे प्रायश्चित्त······ न्यूनकरणमतिरिक्तकरणमयथाकरणञ्च ··· ··· ।
349	,,	(,, ?)	53	2,000		द्. P. L. 7–12, अ. Begins with इति पशुबन्धः समाप्तः। ज्योतिष्टोमे प्रथमप्रयोगे स······ द्धम्। यस्य पिता पितामहो वा सोमं न पिबेत्, स वाल्यमतेन पूर्वस्मिन् जनी योगिप्रणीतादि दण्डकोचारित वर्जे··· ··· ।
350	कात्यायनश्रौतसूत्र-परिशिष्ट & मूलाध्यायपरिशिष्ट		18+1			परि. 2, यज्ञपार्श्व. ll. 15–18 द्.
351	कृच्छ्रलक्षण		6			द्. P. L.
352	क्रतुप्रायश्चित्त (सामवेदीय)		76	1,200		There are some references to ancient Sūtras; लाट्यायन, क्षुद्रसूत्र, उपग्रन्थसूत्र & कात्यायनसूत्र.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
353	चयनपद्धति	नानाभाई (रामकृष्ण)	181		सं. 1677	
354	चयनप्रयोगप्रदीपिका	तालवृन्तनिवासी	33	750		आं. P. L. Injured.
355	चातुर्मास्यप्रकरण		39	900		
356	चातुर्मास्यप्रयोग (प्रयोगमालिका)	मार्तण्डसोमयाजी	44	1,000	श. 1797	काण्वशाखा.
357	,,		53	700		आं. P. L.
358	,,		21			
359	जैमिनिश्रौतसूत्र		19	300		द्र. P. L. अग्निष्टोम, 26, सूत्र.
360	,,		15	,,		द्र. P. L. अग्निष्टोम. 26, सूत्र.
361	,,		13	,,		द्र. P. L. अग्निष्टोम, 26, सूत्र.
362	दर्शपूर्णमास		23			द्र. P. L.
363	,, आपस्तम्ब		24			ll. 7–12 missing.
364	दर्शपूर्णमासप्रयोग		5	75		आं. P. L.
365	दर्शपूर्णमासमन्त्र-व्याख्या		72	2,000		
366	दर्शपूर्णमासहौत्र		12		सं. 1655	
367	दर्शपूर्णमासेष्टिप्रयोग		36	500		According to गर्गमत (कात्यायनश्रौत) Quotes हरिस्वामी.
368	द्राह्यायणश्रौतसूत्र भाष्य	धन्वी	120	7,200		द्र. P. L. पट. 1, सम. पट-2 contd. Old & fine ms.
369	द्वादशाहप्रयोग	रघुनाथभट्ट	11	250	सं. 1812	
370	द्वादशाहहौत्र		99			
371	द्वैधसूत्रभाष्य (बौधायन)	भवस्वामी	116	2,500		द्र. P. L.
372	निरूढपशुबन्ध (क्रतुमालायाम्)	हरिहर	34	350		l. 19 missing. Injured
373	निरूढपशुबन्धसूत्र-भाष्य	देवयाज्ञिक	5	200		असम.
374	निरूढपशुहौत्र		8		सं. 1594	
375	परिभाषासूत्रभाष्य	कपर्दिस्वामी	21			आं. P. L. Injured.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
376	परिभाषासूत्रभाष्य	कपर्दिस्वामी	116			Copy of the ms. No. 2060. (P.U.L.)
377	पर्वनिर्णय	गणपतिरावल	28	700	सं. 1742 D.C.	
378	पशुकारिका (आपस्तम्ब)		19–22			40, का.
379	पशुबन्धव्याख्या (आपस्तम्ब)		20			द्र. P. L. Injured.
380	पात्रलक्षण		2			
381	पितृमेधप्रयोग		4	35		द्र. P. L. कात्यायनीय.
382	पूरण(खिल)सूत्र भाष्य	देवयाज्ञिक	35	850	श. 1787	
383	पूर्वप्रायश्चित्ति		67	900		आं. P. L.
384	प्रयोगक्रमदीपिका	रङ्गनाथ	66	700		द्र. P. L. According to बौधायन. असम.
385	प्रवासकृत्य	हरिशङ्करदीक्षित	8	148		
386	बौधायनशुल्बसूत्र व्याख्या	द्वारकानाथयज्वा	103			Photo from I.O.
387	बौधायनश्रौतप्रयोग or नारायणवृत्ति	नारायण, रुद्रपुत्र	110	4,500		द्र. P. L. Upto द्वादशाह.
388	,, & कारिका	रङ्गनाथ(?)	250	5,000		द्र. P. L. Much injured.
389	बौधायनश्रौतसूत्र		101	3,000		के. P. L. 13, प्र. सम. Old ms.
390	,, भाष्य	भवस्वामी	196			द्र. P. L. Very old & injured.
391	,, ,,	,,	59	2,500		के. P. L. It seems, it starts from प्रवर्ग्य, अग्निष्टोम & प्रायश्चित्त प्रश्न, and runs through गृह्य प्रश्न and ends with कारिका. कारिका starts with 30th. leaf.